सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

गुरुवार 16 अप्रैल 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 345 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

2029 से लागू होगा महिला आरक्षण, अब लोकसभा की सीटें 850 होंगी

जनगणना-परिसीमन से तय होंगी लोकसभा और विधानसभा की सीटें, जानिए कैसे होगा ये बदलाव

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं।

850 में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33% महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं। पीएम मोदी 17 अप्रैल को बहस का जवाब दे सकते हैं।

इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा कि दक्षिणी राज्यों को सीटें बढ़ाना मंजूर नहीं।

सवाल- जवाब में जानिए, इस बदलाव को

1. सीटें कितने बढ़ेंगी : लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 हो जाएंगी। राज्यों में 815 व केंद्र शासित क्षेत्रों के लिए 35 सीटें। इस बदलाव का असर राज्यसभा और देश की सभी विधानसभाओं पर भी होगा। यहां भी सीटें की संख्या बदल जाएंगी।

2. महिला आरक्षण कितने साल के लिए होगा : कुल सीटों में से 33% यानी 273 महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। महिलाओं के लिए यह आरक्षण 15 साल के लिए होगा। यानी 2029, 2034 और 2039 के लोकसभा चुनावों तक। इसके बाद इसे बढ़ाने का फैसला संसद करेगी। आरक्षित सीटें हर चुनाव में बदलती रहेंगी, ताकि महिलाओं का हर जगह प्रतिनिधित्व मिल सके। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी आरक्षण शामिल होगा। ये आरक्षित सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर तय की जाएंगी।

3. आरक्षण कैसे होगा : परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा।

4. परिसीमन में क्या होगा : अभी तक सीटों का आधार 1971 की जनगणना थी, जो 2026 तक के लिए मान्य थी। परिसीमन कब होगा और किस जनगणना (जैसे 2011 या 2027) के आधार पर होगा, यह संविधान की जगह संसद एक साधारण कानून बनाकर तय कर सकेगी। सरकार इसमें बदलाव कर रही है। इसके लिए जनसंख्या (आबादी) की परिभाषा को बदला जाएगा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है।
संविधान में संशोधन कर सरकार परिसीमन आयोग बनाएगी। अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व जज होंगे। आयोग सभी निर्वाचन क्षेत्र (लोकसभा सीटें) दोबारा तय करेगा। आयोग का निर्णय अंतिम होगा। इसके फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते।

5. क्या सरकार लोकसभा में बिल पास करा पाएगी : संविधान संशोधन पारित कराने के लिए सरकार को बैक-चैनल बातचीत करनी होगी। भारतीय संविधान के ऑर्टिकल 368 के तहत, संविधान में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी होता है। कुल सदस्यों का बहुमत (50% से अधिक) और उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।
लोकसभा की वर्तमान संख्या 540 (कुल 543 में से) है। 3 सीटें खाली हैं। यदि सभी सांसद उपस्थित होकर मतदान करते हैं, तो कम से कम 360 सांसदों (दो तिहाई) को इसके पक्ष में वोट देना होगा।

सबरीमाला मैनेजमेंट बोला- अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं

यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं; एससी ने कहा- करोड़ों की आस्था को गलत ठहराना मुश्किल

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि यह खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यह आजन्म ब्रह्मचारी माने जाने वाले देवता का मंदिर है।

टीडीबी का पक्ष रखते हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- 10 से 50 साल के उम्र की महिलाएं देवता के स्वरूप और पहचान के विपरीत हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता।

केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गई। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। सिंघवी बोले मुझे बताया गया है कि भगवान अयप्पा के भारत में लगभग 1000 मंदिर हैं। लेकिन एक ही मंदिर में उनके आजन्म ब्रह्मचारी रूप की पूजा होती है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली के सरिता विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और उन्हें दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई में कोई घायल नहीं हुआ है। आरोपियों के पास से दो देसी पिस्टल और एक 12 बोर की बंदूक बरामद की गई है, जिनसे तीन राउंड फायर किए गए थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। यह जांच की जा रही है कि वे दिल्ली में कब से रह रहे थे और क्या उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध है।

आंध्रप्रदेश के श्री सत्यसाईं जिले में ब्लास्ट से 4 की मौत

सत्यसाई। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाईं जिले में एक ब्लास्ट में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में भी एक बुजुर्ग की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने बताया कि हादसा बुधवार दोपहर करीब 12 :30 बजे कम्मालवांदला पल्ली गांव के एक घर में हुआ। ब्लास्ट इतना भीषण था कि इसकी चपेट में दो घर ढह गए। शुरुआती जांच में इसे गैस सिलेंडर ब्लास्ट बताया जा रहा है, लेकिन धमाके की तीव्रता को देखते हुए इसके पीछे अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिस घर में यह विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के मजदूर रह रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को असम सीएम हिमंता बिसवा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइंया के पासपोर्ट विवाद मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट जमानत पर रोक लगा दी और नोटिस भी जारी किया। 5 अप्रैल को असम में एफआईआर दर्ज होने के बाद कांग्रेस नेता की अर्जी पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत दी थी। इस मामले को लेकर असम सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

लोकसभा में सीटें बढ़ाने के बिल का विरोध करेगा विपक्ष

विपक्ष की मीटिंग के बाद खड़गे बोले- महिला आरक्षण का समर्थन लेकिन परिसीमन का नहीं

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

लोकसभा में सीटें बढ़ाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का विपक्ष विरोध करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग के बाद यह बात कही। मीटिंग खड़गे के घर पर हुई, जिसमें राहुल गांधी और टीएमसी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद गुट) और आप नेता भी शामिल हुए।

खड़गे ने कहा कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन सरकार इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ा रही है ताकि विपक्ष को दबाया जा सके। इसलिए हमने परिसीमन बिल के विरोध का निर्णय लिया है।

छग पावर प्लांट हादसा- अब तक 19 की मौत

वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 19 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 13 की मौत रायगढ़ के अलग-अलग अस्पतालों में हुई। 2 की मौत रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। मृतकों में 4 छत्तीसगढ़ से हैं, जबकि बाकी 15 यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से हैं।

हिम्मत है तो रोज मेरी गाड़ी चेक करें : ममता

लिखा लेटर, भाजपा का वादा- बंगाल में महिलाओं को हर महीने 3,000 देंगे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच टीएमसी ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर कहा है कि उसके नेताओं को निशाना बनाकर उनकी गाड़ियों की जांच कराई जा रही है। सीएम ममता बनर्जी ने भी दावा किया कि बुधवार को कोलकाता एयरपोर्ट जाते समय केंद्रीय बलों ने उनकी गाड़ी की जांच करने की कोशिश की। उन्होंने कहा-अगर हिम्मत है तो रोज मेरी गाड़ी चेक करें। भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में मातृशक्ति भरोसा कार्ड लॉन्च किया। सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर महीने 3,000 देने का वादा किया गया है।

चीनी टैंकर होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम : मेथेनॉल लेकर यूएई से आ रहा था

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज पार करने की कोशिश की थी।

रॉयटर्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी युद्धपोत ने दो तेल टैंकरों को रोक दिया, जो ओमान की खाड़ी में स्थित ईरान के चाबहार बंदरगाह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। रिच स्टैरी और इसकी मालिक कंपनी शंघाई जुआनरन शिपिंग पर अमेरिका ने 2023 से प्रतिबंध लगा रखा है, क्योंकि वे ईरान के साथ व्यापार कर रहे थे।

ईरान बोला- हमारी नाकेबंदी संभव नहीं, कोशिश नाकाम होगी

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा है कि देश की नाकेबंदी संभव नहीं है और ऐसी कोशिशें नाकाम होंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भड़काऊ कदम सीजफायर को तोड़ सकते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ईरान को ब्लॉक करने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी और इससे कोई परिणाम नहीं निकलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदम मौजूदा सीजफायर को खतरे में डाल सकते हैं और हालात फिर से बिगड़ सकते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर जवाब देगा।

ट्रम्प बोले- चीन बहुत खुश है कि मैं होर्मुज स्ट्रेट खोल रहा हूं: ट्रम्प ने दावा किया है कि चीन इस बात से बहुत खुश है कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट खोलने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम दुनिया के हित में है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वह होर्मुज स्ट्रेट को स्थायी रूप से खोलने की कोशिश कर रहे हैं और चीन इस फैसले से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि यह कदम वैश्विक तेल सप्लाई को सुचारू रखने के लिए जरूरी है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई अस्थायी छूट अब कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।
2. यूरोपीय देश युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य करने के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की योजना बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस प्रस्तावित मिशन में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है।
3. कनाडा ने लेबनान के लिए 40 मिलियन डॉलर (करीब 330 करोड़ रुपए) की मदद का ऐलान किया है। यह मदद अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिए पहुंचाई जाएगी।
4. हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 34 सैन्य हमले किए हैं। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में इजराइल की बस्तियों, सैनिक जमावड़ों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया।

गृह समेत 29 विभाग संभालेंगे सीएम सम्राट चौधरी : जेडीयू के पास 18 विभाग

मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद सम्राट ने छुए नीतीश के पैर

राष्ट्रबाण | पटना | एजेंसी | rashtrabaan.in

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी ष्टरू बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है।

सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग रहेंगे। विजय चौधरी को 10 और बिजेंद्र यादव को 8 विभाग मिले हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यही विभाग बाकी मंत्रियों में बंटेंगे। तब तक तीनों मंत्री ही इनकी जिम्मेदारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली।

राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में 41डिग्री तापमान, महाराष्ट्र-तेलंगाना में लू की चेतावनी

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में पारा 42डिग्री पार

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

अप्रैल के दूसरे हफ्ते में पारा लगातार बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में पारा 42डिग्री पहुंच गया। राजस्थान में मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। यहां बाड़मेर और जैसरमेर में तापमान 41डिग्री के ऊपर चला गया।

उत्तर प्रदेश के बांदा में अधिकतम तापमान 40.4डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गुजरात, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में ज्यादातर शहरों में भी पारा 40डिग्री से ज्यादा है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। अगले दो सप्ताह में तापमान 6 से 8डिग्री तक बढ़ सकता है। इधर उत्तराखंड में मौसम ठंडा है। यहां केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हुई है। जम्मू-कश्मीर और असम समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अगले दो दिन के मौसम का मिजाज

16 अप्रैल: असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हल्की बर्फबारी की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लू चलने की शुरुआत होगी। तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ेगा।

17 अप्रैल: पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में बर्फबारी के साथ ओले गिरने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लू चलेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान और झारखंड में भी हीटवेव की शुरुआत हो सकती है।

बिजनेस ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं मेकअप आर्टिस्ट

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है।
खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रेंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।
इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?

फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

देश का प्रतिनिधित्व करता है आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।

ऑडियो इंजीनियरिंग के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्युजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गईं। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फ्रिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 16 अप्रैल 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन के हस्तक्षेप पर खुरपुड़ी में लगा नया ट्रांसफार्मर

नवागत सरपंच सहित ग्रामीणों ने गौरी भाऊ व विद्युत विभाग का जताया आभार, लो वोल्टेज की समस्या होगी अब खत्म

लालबर्रा | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

लालबर्रा विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खुरपड़ी नवागत सरपंच महेश कावरे सहित ग्रामीणों ने पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन से 6 मार्च 2026 को उनके निवास पर आत्मीय मुलाकात की एवं ग्राम पंचायत खुरपुड़ी की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। ग्रामीणों ने जनता के लाड़ले नेता गौरी भाऊ को बिजली की समस्या के बारे में अवगत कराया कि ग्राम पंचायत खुरपुड़ी के वार्ड नंबर 2 पंचायत भवन के पीछे में ट्रांसफॉर्मर बदलना है। यहां लो वोल्टेज की समस्या एवं बार-बार बिजली गुल होने की समस्या विगत दो माह से आ रही थी। वार्ड नंबर 4 में डीपी चेंज करना एवं पोल बदलना एवं किसानों की समस्या भी गौरी भाऊ को बताया गया। भाऊ ने उनके निवास पर पहुंचे सभी जनों का कुशलक्षेम जाना और सरपंच सहित जागरूक ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आपकी समस्या का प्राथमिकता से जल्द निराकरण किया जायेगा और विद्युत विभाग के छ्श्व और विभाग के उच्च अधिकारियों से गौरी भाऊ (गौरीशंकर बिसेन) ने फोन पर चर्चा की और उन्होंने छ्श्व को निर्देशित किया कि जो भी समस्या ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में आ रही है। उसका जल्द से जल्द निराकरण करें। ताकि ग्राम में सुव्यवस्थित विद्युत आपूर्ति को लेकर एवं कम वोल्टेज को लेकर कोई भी परेशानी न हो। ग्रामीणों की समस्या पर सहयोग करने के लिए, ग्राम पंचायत खुरपुड़ी के गणमान्य नागरिक युवा जुझारू नवागत सरपंच महेश कावरे, बोनेश्वर बिसेन, रमेश ठाकरे, चतरूलाल कावरे, गुनेश पंचेश्वर, गुलशन नागेश्वर पंच व अन्य ग्रामीण जनों ने गौरी भाऊ व विद्युत विभाग का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया है।

ट्रांसफार्मर बदलते विधुत विभाग के कर्मचारी

विवेक ज्योति स्कूल लालबर्रा के छात्र मोक्ष बनवाले के सुयश पर शुभचिंतकों में हर्ष

लालबर्रा | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

विवेक ज्योति स्कूल लालबर्रा जिला बालाघाट के कक्षा 12वीं में गणित संकाय के अध्यनरत छात्र मोक्ष बनवाले द्वारा 90त्न अंक लेकर अपने माता-पिता और विद्यालय सहित गांव का नाम रोशन किया है। इनकि कामयाबी पर ग्रामवासी नाते रिश्तेदारों ने बधाई प्रस्तुत किया है।उनकी कामयाबी के लिए बधाई देने वालों में मुकेश रंगारे, हितेश भाई, गज्जू भाई, धनेंद्र पटले, ओ पी बिसेन, नोहार यादव आदि ग्रामीण जनों द्वारा अग्रिम भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

बालाघाट में नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत भव्य महिला बाइक रैली आयोजित

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में 10 से 25 अप्रैल तक आयोजित नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में 15 अप्रैल 2026 को कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में भव्य महिला बाइक एवं स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल विभाग और पुलिस विभाग के समन्वय से संपन्न हुई।

रैली का नेतृत्व पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने किया। जिलेभर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। यह रैली मुलना स्टेडियम कराते हाल से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए हनुमान चौक तक पहुंची और पुनः स्टेडियम में आकर संपन्न हुई। रैली में महिला पुलिसकर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। महिलाओं ने हाथों में सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों की तख्तियां लेकर जन-जागरूकता का संदेश दिया तथा नारी शक्ति वंदन (महिला आरक्षण) अधिनियम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, सहायक संचालक श्री प्रशांत दीप ठाकुर, परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौकसे, श्रीमती रानू चौकसे, श्रीमती यशोदा भगत एवं प्रशासक रचना चौधरी उपस्थित रहीं। वहीं पुलिस विभाग से यातायात प्रभारी श्रीमती यीना राहंगडाले एवं महिला थाना प्रभारी श्रीमती किरण वरकड़े की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शासकीय मॉडल स्कूल बैहर का 10वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

दो छात्रों ने मेरिट सूची में बनाई जगह

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के बैहर स्थित शासकीय मॉडल स्कूल ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय ने कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) परिणाम हासिल कर क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया है, वहीं 12वीं कक्षा में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। सबसे खास बात यह रही कि कक्षा 10वीं की प्रदेश स्तरीय प्राविण्य सूची में विद्यालय के दो विद्यार्थियों निश्चय राणा (पिता- दिनेश राणा) एवं डेजी बिसेन (पिता- लिकेश बिसेन) ने छठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। विद्यालय में 10वीं कक्षा के कुल 95 विद्यार्थियों में से 94 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में तथा 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। इनमें 40 विद्यार्थियों ने + ग्रेड और 38 विद्यार्थियों ने ग्रेड प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय लगातार दूसरे वर्ष भी 10वीं में 100 प्रतिशत परिणाम देने में सफल रहा है। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 93त्न रहा। कुल 84 विद्यार्थियों में से 22 विद्यार्थियों ने + ग्रेड तथा 31 विद्यार्थियों ने ग्रेड हासिल किया। विद्यालय स्तर पर कक्षा 12वीं में श्रेयांशी शर्मा (वाणिज्य संकाय) ने 93.6त्न अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सारा पन्द्रे (कला संकाय) ने 91त्न के साथ द्वितीय स्थान और भौतिक भैरम (वाणिज्य संकाय) ने 90त्न अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री सुनील कुमार खोब्रागड़े ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन पूरे विद्यालय परिवार के लिए उत्सव के समान है।

मकान सूचीकरण एवं गणना के प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्रारंभ, जिला प्रभारी ने किया निरीक्षण

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में जनगणना-2027 के लिए दिनांक 15 अप्रैल 2026 से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के प्रथम चरण का प्रशिक्षण विभिन्न तहसीलों में प्रारंभ हो गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी, बिरसा, कटंगी, तिरोड़ी, किरनापुर एवं लांजी तहसीलों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

निदेशालय भोपाल द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी श्री कुलदीप चावड़ा ने वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी एवं तिरोड़ी तहसीलों के प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चार्ज अधिकारियों, फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से चर्चा कर जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं सटीक आंकड़ों के संकलन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को मकान सूचीकरण, डेटा संकलन एवं संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि आगामी जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

ग्राम जुनेवानी एवं कन्हडगाँव में पेयजल गुणवत्ता जांच और स्वच्छता अभियान आयोजित

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड अंतर्गत ग्राम जुनेवानी और कन्हडगाँव में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा स्कूलों और आंगनवाड़ियों में फील्ड टेस्टिंग किट (स्नञ्जय) के माध्यम से पानी की जांच की गई। इस अभियान में ब्लॉक समन्वयक ओमप्रकाश शिवनकर और रानी सिंह राजपूत के नेतृत्व में एफटीके उपयोगकर्ताओं द्वारा मौके पर ही पेयजल स्रोतों के नमूनों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान क्लोरीन, आयरन, फ्लोराइड और पीएच जैसे प्रमुख मानकों की जांच कर उपस्थित ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरपंच, सचिव, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। सभी को स्नञ्जय के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे स्वयं भी जल गुणवत्ता की नियमित जांच कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी नमूने में पानी दूषित पाया जाता है, तो उसे विस्तृत परीक्षण के लिए जिला या ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। इसके साथ ही गांव में जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई अभियान चलाया गया। सरपंच, ग्रामीणों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षकों एवं महिलाओं ने मिलकर स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता फैलाई।

पिता और भाई को खोने के बाद भी नहीं हारी हिम्मत

अक्षरा ने प्रदेश की मेरिट सूची में पाया दूसरा स्थान

कटंगी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

संघर्षों की कोख से ही सफलता का जन्म होता है, इसे चरितार्थ कर दिखाया है क्षेत्र के ग्राम टुईयापार (खैरलांजी) की होनहार बेटी कु. अक्षरा घोड़ेश्वर ने। अक्षरा ने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 500 में से 498 अंक अर्जित कर संपूर्ण मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

कठिन परिस्थितियों से लड़ी जंग

अक्षरा की यह सफलता सामान्य नहीं है। वर्ष 2020 में उनके पिता और भाई के आकस्मिक निधन के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। सिर से पिता का साया उठने और आर्थिक तंगी के बावजूद अक्षरा ने हार नहीं मानी। उनकी माता श्रीमती रमाबाई घोड़ेश्वर ने विपरीत हालातों में मजदूरी व अन्य संघर्षों के जरिए न केवल घर संभाला, बल्कि अक्षरा को बेहतर शिक्षा और संस्कार दिए।

इरादे मजबूत हों तो हर बाधा छोटी

साधारण और गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली अक्षरा ने सिद्ध कर दिया कि यदि इरादे मजबूत हों, तो आर्थिक अभाव और कठिन परिस्थितियाँ कभी सफलता की राह में रोड़ा नहीं बन सकतीं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल टुईयापार बल्कि पूरे पठार क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

समिति ने दी बधाई

पठार संघर्ष समिति ने अक्षरा की इस अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। समिति के सदस्यों का कहना है कि अक्षरा की मेहनत और उनकी माता का त्याग पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा है।

होनहार बिटवा ने बढ़ाया मान

मजदूरी करने वाले के बेटे शिवम ने प्रदेश की मेरिट सूची में हासिल किया तीसरा स्थान

कटंगी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जब इरादे नेक और मेहनत सच्ची हो, तो अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। इसे सच कर दिखाया है तहसील के ग्राम परसवाड़ाघाट के एक साधारण परिवार के छात्र शिवम बोपचे ने। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में शिवम ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) में तीसरा स्थान प्राप्त कर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।

अभावों के बीच गढ़ा सफलता का कीर्तिमान

हायर सेकेंडरी स्कूल परसवाड़ाघाट के छात्र शिवम ने 500 में से 497 अंक अर्जित किए हैं। शिवम की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उनके पिता विनोद बोपचे और माता श्रीमती सरिता बोपचे मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। तंगहाली और सीमित संसाधनों के बावजूद शिवम ने कभी अपनी पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी। उनकी इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी सुख-सुविधा की मोहताज नहीं होती।

शिक्षकों और माता-पिता को दिया श्रेय

अपनी ऐतिहासिक सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए शिवम ने कहा कि यह उनके गुरुजनों के मार्गदर्शन और माता-पिता के त्याग का परिणाम है। शिवम ने कहा मेरे माता-पिता ने दिन-रात मेहनत कर मुझे पढ़ाया है। स्कूल के शिक्षकों ने हर कदम पर मेरा साथ दिया और कठिन विषयों को भी सहज बनाया। शिवम की उपलब्धि की खबर मिलते ही उनके विद्यालय और गांव में जश्न का माहौल है। शिक्षकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रोफेसर बनकर समाज को शिक्षित करने का सपना

भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर शिवम की आँखों में एक अलग चमक दिखी। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में प्रोफेसर बनना चाहते हैं। शिवम का कहना है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में जाकर उन बच्चों की मदद करना चाहते हैं जो गरीबी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनके जैसे ग्रामीण परिवेश के बच्चे भी बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करें।

क्षेत्र में हर्ष की लहर

क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने शिवम की इस उपलब्धि को कटंगी क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया है। ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर जब कोई छात्र प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। शिवम की सफलता आज उन हजारों विद्यार्थियों के लिए मिसाल है जो कठिन परिस्थितियों में संघर्ष कर रहे हैं।

रेत माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग

वनरक्षक स्व. हरकेश गुर्जर को वन अमले ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कटंगी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

रेत माफियाओं के हमले में शहीद हुए वनरक्षक स्व. हरकेश गुर्जर को वन विभाग के अमले ने शोक सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही रेत माफियाओं के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की माँग उठाई गई। शोक सभा में वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि स्व. हरकेश गुर्जर ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। अवैध रेत उत्खनन रोकने के दौरान रेत माफियाओं ने उनकी हत्या कर दी थी। वन अमले ने इसे विभाग के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

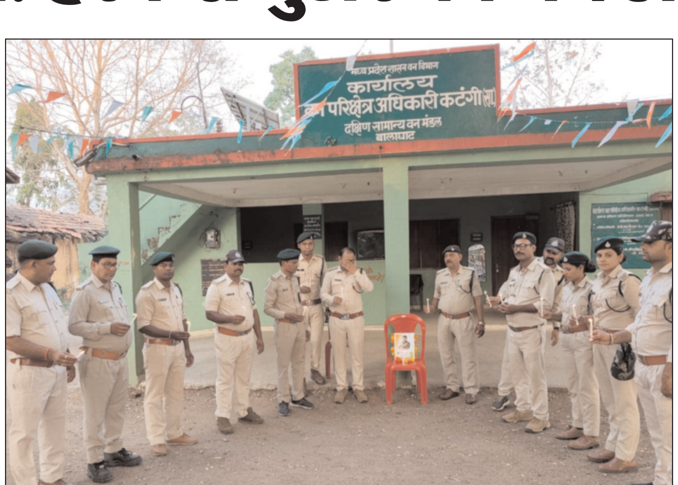

सख्त कार्रवाई की माँग

शोक सभा में प्रस्ताव पारित कर माँग की गई कि हरकेश गुर्जर की हत्या करने वाले रेत माफियाओं पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। वन कर्मियों ने कहा कि फील्ड में ड्यूटी कर रहे वनरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। आए दिन अवैध उत्खनन माफिया वन अमले पर हमले कर रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में भय का माहौल है। वन विभाग ने शासन से माँग की कि स्व. हरकेश गुर्जर को शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके परिजनों को सभी शासकीय सहायता एवं अनुकंपा नियुक्ति तत्काल प्रदान की जाए। साथ ही वनरक्षकों को आधुनिक सुरक्षा उपकरण व हथियार उपलब्ध कराए जाएँ ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कौन थे हरकेश गुर्जर

स्व. हरकेश गुर्जर वन विभाग में वनरक्षक के पद पर पदस्थ थे। वे हमेशा ईमानदारी और निडरता से अपने दायित्व निभाते थे। अवैध रेत परिवहन रोकने के दौरान माफियाओं से उनकी झड़प हुई, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनका निधन हो गया।शोक सभा में वन परिक्षेत्र अधिकारी, डिप्टी रेंजर, वनरक्षक सहित बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे। सभी ने संकल्प लिया कि स्व. हरकेश गुर्जर के अधूरे कार्य को पूरा करेंगे और जंगल-पर्यावरण की रक्षा के लिए डटे रहेंगे। रेत माफियाओं के बढ़ते आतंक पर पूरे वन अमले में आक्रोश है। वन विभाग ने पुलिस-प्रशासन से संयुक्त कार्रवाई कर माफिया नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की माँग की है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 16 अप्रैल 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिवनी के गांवों में आग का कहर: फसलें राख, फायर ब्रिगेड नदारद

जनता का सवाल : ग्रामीण इलाकों में आपात सेवाएं सिर्फ नाम की हैं?

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में बुधवार को भीषण आग ने तीन गांवों नैनपार, कामकासुर और बिनेकी को अपनी चपेट में ले लिया। खेतों में रखी फसलें, पाइप और कृषि सामग्री जलकर राख हो गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लपटें खेतों से उठकर बस्ती तक पहुंच गई। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन फायर ब्रिगेड की देरी और प्रशासन की सुस्ती ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नैनपर, कामकासुर और बिनेकी में उस समय हड़कंप मच गया जब अचानक भीषण आग भड़क उठी। आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और खेतों से निकलकर गांव बस्ती की ओर बढ़ने लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि ग्रामीणों के होश उड़ गए और हर कोई अपनी जान बचाने के साथ-साथ आग बुझाने में जुट गया। जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले खेतों में लगी जहां किसानों ने अपनी फसल और कृषि उपकरण रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने नरवाई को अपनी चपेट में ले लिया और तेजी से फैलने लगी। तेज हवाओं ने आग को और भड़काने का काम किया, जिससे हालात बेकाबू होते चले गए। इस भीषण आग में किसानों की मेहनत पूरी तरह तबाह हो गई। खलियानो में रखी फसलें, सिंचाई के पाइप, कृषि यंत्र और अन्य जरूरी सामान जलकर खाक हो गए। कई किसानों के लिए यह नुकसान जीवनभर की कमाई जैसा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ने वाला है।

स्थिति तब और भयावह हो गई जब आग ने गांव की बस्ती की ओर रुख कर लिया। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह बड़ी जनहानि का कारण बन सकती थी। लेकिन ग्रामीणों ने साहस और एकजुटता का परिचय देते हुए खुद ही मोर्चा संभाला। बाल्टियों, टैंकरों और उपलब्ध संसाधनों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया गया।

गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई और न ही आग किसी के घर तक पहुंच पाई। लेकिन जो नुकसान हुआ है, वह बेहद गंभीर है। किसानों की फसलें और कृषि सामग्री पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं, जिससे कई परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ है।

प्रशासन पर नाराज ग्रामीण, आपदा प्रबंधन फेल

इस घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने तुरंत लखनवाड़ा थाना में फोन कर फायर ब्रिगेड भेजने की मांग की थी। लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड पहुंच जाती, तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। देरी के कारण आग ने और अधिक तबाही मचाई। इस लापरवाही ने प्रशासन की कार्यशैली और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि प्रशासन द्वारा हर साल आपदा प्रबंधन के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इस घटना ने उजागर कर दी है। जब जरूरत पड़ी, तब न तो समय पर मदद पहुंची और न ही कोई त्वरित कार्रवाई देखने को मिली।

नेहा मीणा, कलेक्टर सिवनी : आपदा प्रबंधन पर सुधार की जरुरत साहिब।

लाखों का नुकसान, प्रशासन बेपरवाह

इस पूरे मामले में अब तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न ही यह स्पष्ट किया गया है कि कुल कितना नुकसान हुआ है। इससे ग्रामीणों में असंतोष और बढ़ गया है। लोग प्रशासन से जवाब और राहत की उम्मीद कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और फायर ब्रिगेड की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। साथ ही प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए ताकि वे अपने नुकसान की भरपाई कर सकें।

दिनेश राय, विधायक सिवनी : माननीय सिस्टम में फैली लापरवाही पर चाबुक चलाओ।

घटना ने दिखाया प्रशासन की तैयारी को आईना !

इस घटना ने आपदा प्रबंधन ही नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी को आईना दिखाया है। इस घटना ने यह अहसास कराया है की अगर आपदा प्रबंधन केवल कागजों तक सीमित रहेगा, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे और आम जनता इसकी कीमत चुकाती रहेगी। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इस घटना ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, क्या आपदा प्रबंधन सिर्फ दिखावा है? क्या ग्रामीण इलाकों में आपात सेवाएं सिर्फ नाम की हैं? इन सवालों के जवाब अब प्रशासन को देने होंगे।

खाकी पर दाग धोने के लिए कड़ा प्रहार

विवादास्पद गोदेवार नपे, दबंग शरणागत के हाथ में ऊगली की कमान!

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

पुलिस महकमे में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अपनी कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवालों के घेरे में रहने वाले सदानंद गोदेवार पर गाज गिरी। खाकी की साख बचाने के लिए पुलिस कप्तान ने सख्त कदम उठाते हुए गोदेवार को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

वर्दी की चमक पड़ रही थी फीकी: चर्चा है कि सदानंद गोदेवार के कार्यकाल में पुलिस की छवि जनता के बीच लगातार धूमिल हो रही थी। सूत्रों की मानें तो उनकी कार्यशैली और विवादों के साथ पुराने रिश्तों ने वर्दी पर ऐसे दाग लगा दिए थे, जिसे धोना विभाग के लिए चुनौती बन गया था। रक्षक की छवि जब विवादास्पद होने लगे, तो कार्रवाई का चाबुक चलना तय था, और हुआ भी यही।

मैदान में दबंग की एंट्री

अब उगली क्षेत्र की कमान एक ऐसे कंधे पर सौंपी गई है जिसे अपराध की दुनिया में खौफ का दूसरा नाम माना जाता है। दयाराम शरणागत ने उगली की कमान संभाल ली है। अपनी दबंग पुलिसिंग और अपराधियों की नकेल कसने के बेबाक अंदाज के लिए मशहूर शरणागत से अब उम्मीद की जा रही है कि वे क्षेत्र में कानून का राज स्थापित करेंगे।

अपराधियों में खौफ, जनता को राहत?

दयाराम शरणागत की कार्यशैली सदानंद गोदेवार से ठीक उलट मानी जाती है। जहाँ एक ओर गोदेवार के समय अपराध बेलगाम होने की शिकायतें थीं, वहीं शरणागत का ट्रैक रिकॉर्ड गवाह है कि वे क्राइम कंट्रोल के मामले में कोई समझौता नहीं करते। इस फेरबदल से साफ संदेश दे दिया गया है कि खाकी पर दाग लगाने वालों की जगह थाने में नहीं, बल्कि लाइन में है। अब देखना यह होगा कि शरणागत की दबंगई उगली के बिगड़े हालात को कितनी जल्दी पटरी पर लाती है।

सिवनी जिला चिकित्सालय में कलेक्टर नेहा मीना का सर्जिकल स्ट्राइक

अव्यवस्थाओं पर तल्ख तेवर, अब सार्थक एप से नपेगी डॉक्टरों की हाजिरी!

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

जिला चिकित्सालय की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं और साहबों की लेटलतीफी के दिन अब लदने वाले हैं। नवागत कलेक्टर नेहा मीना ने कमान संभालते ही अपने तेवर साफ कर दिए हैं। औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर की पैनी नजरों से न तो अस्पताल की गंदगी बच पाई और न ही डॉक्टरों की मनमानी। उनके इस औचक कदम से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है, वहीं आम जनता के बीच चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की एक नई किरण जागी है। वही कलेक्टर साहिबा का मुख्य उद्देश्य है कि मरीजों का सम्मान सर्वोपरि रहेगा।

जहां पर टोकन सिस्टम से खत्म होगी कतारों की जंग

साथ ही निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि ओपीडी में मरीजों को घंटों धक्के खाने पड़ते हैं। उन्होंने दो कड़क लहजे में निर्देश दिए कि अस्पताल केवल इलाज का अड्डा नहीं, बल्कि सम्मानजनक सेवा का केंद्र होना चाहिए। वही कहां कि अब पर्ची कटाने के लिए धक्का-मुक्की नहीं होगी। ओपीडी में जल्द ही आधुनिक टोकन सिस्टम लागू होगा और गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए अलग से वेल-फर्निश्ड वेटिंग एरिया बनाया जाएगा।

लापरवाह स्टाफ पर सार्थक की डिजिटल लगाम

अक्सर शिकायतें आती हैं कि डॉक्टर और स्टाफ अपनी मर्जी से आते-जाते हैं। कलेक्टर नेहा मीना ने इस मर्ज का पक्का इलाज ढूंढ लिया है। अब जिला अस्पताल के हर कर्मचारी और डॉक्टर को '

सार्थक एप और बायोमेट्रिक के जरिए अपनी हाजिरी दर्ज करनी होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट कर दिया कि जो समय पर नहीं आएगा, उसकी सेवा में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समय पर उपस्थिति ही बेहतर सेवा की पहली शर्त है, यह सख्त संदेश पूरे स्वास्थ्य विभाग को दे दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. विनोद नावकर और सीएमएचओ डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर सहित पूरा अमला मौजूद रहा, जो कलेक्टर के निर्देशों को डायरी में नोट करते और अपनी कमियां छिपाते नजर आए। अब देखना है कि सिवनी की जनता के लिए यह किसी राहत से कम नहीं है कि एक प्रशासनिक मुखिया ने सीधे धरातल पर उतरकर सिस्टम की नब्ज टटोली है।

मेडिकल कॉलेज के साथ जुगलबंदी और स्वच्छता पर जोर

गंभीर मरीजों को बेहतर विशेषज्ञ मिल सकें, इसके लिए कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज के बीच बेहतर तालमेल बिठाने की रणनीति तैयार की है। इसके साथ ही: अस्पताल के कबाड़ को तत्काल बाहर करने के निर्देश दिए और पेयजल, शौचालय और वार्डों की स्वच्छता की मॉनिटरिंग अब सीसीटीवी और नियमित निरीक्षण के जरिए होगी। वही कलेक्टर का कड़ा संदेश है कि स्वास्थ्य सेवाएं नागरिकों का अधिकार हैं, अहसान नहीं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुधार नजर आना चाहिए, अन्यथा जिम्मेदार कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

पैथोलॉजी का होगा डिजिटल कायाकल्प

जांच के नाम पर मरीजों को बाहर भेजने का खेल अब बंद होगा। कलेक्टर ने बंद पड़ी मशीनों को तत्काल चालू करने और पैथोलॉजी लैब को पूरी तरह डिजिटाइज करने के निर्देश दिए हैं। अब सैंपलिंग और पंजीयन की अलग-अलग व्यवस्था होगी ताकि रिपोर्ट पारदर्शी और त्वरित मिल सके।

शासकीय हाई स्कूल ख़रसारु का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

राष्ट्रबाण केवलारी | संवाददाता rashtrabaan.in

केवलारी के समीपस्थ ग्राम ख़रसारु में दिनांक 15/04/2026 को घोषित बोर्ड परीक्षा में शासकीय हाई स्कूल ख़रसारु के कक्षा 10वीं के छात्रों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। इस वर्ष कुल 30 छात्रों में से 30 छात्रों ने सफलता प्राप्त की। जिनमें शाला के छात्र अंकुश झरिया ने 96.6% अंक प्राप्त कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर मेघना यादव जिन्होंने 96.2% अंक प्राप्त किए तथा तृतीय स्थान पर कार्तिक बंदेवार ने 96% अंक प्राप्त किए। शाला के 26 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की एवं 04 छात्रों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। इस प्रकार शाला का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा। इस सफलता पर ग्रामवासियों द्वारा शिक्षकों की भूरी भूरी प्रशंसा की गई। इस ऐतिहासिक सफलता के लिए शाला परिवार को बधाईयां प्रेषित की गई । आपको बता दें कि इस उत्कृष्ट परिणाम पर शाला परिवार को हार्दिक बधाई दी गई। शाला के शिक्षक दशरथ प्रसाद धुर्वे, हेमंत कुमार शेंडे, श्रीमती खेल्वन्ती वट्टी, संत कुमार उट्टे, कु सोनम जघेला, कु रोशनी शरणागत,श्री जतिन कुमार जैन सहित सभी शिक्षकों को भी इस सफलता पर बधाई दी गई।

बारदाने की कमी से गेहूं खरीदी नहीं

सिवनी। सिवनी जिले में बुधवार से गेहूं की सरकारी खरीदी शुरू तो हो गई, लेकिन पहले ही दिन केंद्रों पर बदइंतजामी देखने को मिली। तैयारियों में कमी के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिससे प्रशासन के दावों की पोल खुल गई है। इस साल जिले में गेहूं बेचने वाले किसानों की संख्या काफी बढ़ गई है। पिछले साल के मुकाबले इस बार करीब 12 हजार ज्यादा किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, लेकिन इंतजाम उस हिसाब से नहीं दिख रहे। जिले में 8 हजार गठान बारदानों की जरूरत है, जबकि अभी तक सिर्फ 2500 गठान ही मिल पाए हैं। कई सोसायटियों में तो बोरे पहुंचे ही नहीं हैं, और जो पुराने बोरे हैं उनकी हालत भी काफी खराब है।

अंबेडकर जयंती पर प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने बाबा साहब को अर्पित की श्रद्धांजलि

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में प्रदेश शासन के राजस्व एवं जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौक पहुँचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रमुख जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से:

विधायक दिनेश राय मुनमुन, जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डेहरिया जनपद अध्यक्ष किरण भलावी, नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया रहे और प्रशासनिक अधिकारी में जिला पंचायत सीईओ अंजली शाह आदि शामिल रहे।

विचारों को आत्मसात करने का संकल्प

माल्यार्पण के पश्चात प्रभारी मंत्री और उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिकों ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके महान विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहब के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

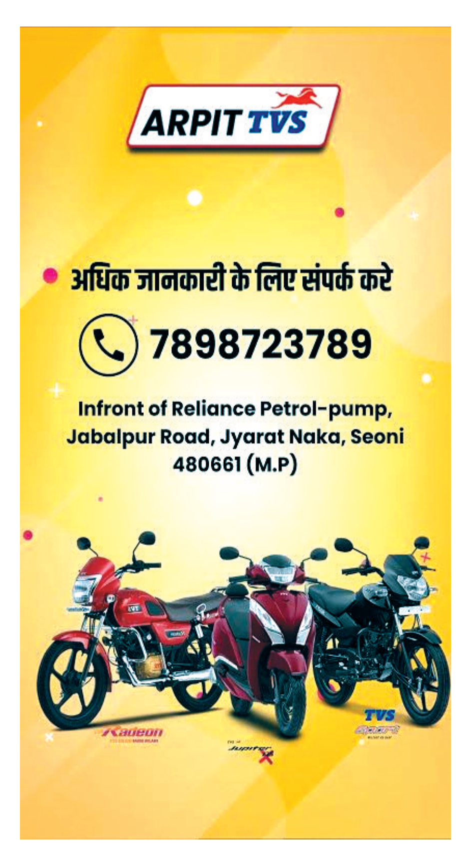

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433